(b) if so, in what precise terms the assurance was given; and

(c) what is the extent of 'damage done to life and property of Indians in Sri Lanka during these operations and out Government's reaction thereto?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF EXTERNAL AFFAIRS (SHRI K. NATWAR SINGH): (a) No, Sir.

(b) Does not arise.

(c) Precise information will be available only when full normalcy, including communication links, are restored.

चाय का उत्पादन और निर्यात

1145. **श्री जगदम्बी प्रसाद यादव :** क्या **वाणिज्य** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) गत तीन वर्षों के दौरान देश में चाय उत्पादन की क्या स्थिति रही और निर्यात लक्ष्यों को प्राप्त करने में किस सीमा तक सफलता प्राप्त हुई ;

(ख) चाय के उत्पादन और निर्यात में चाय बोर्ड की क्या भूमिका रही है और चाय बोर्ड के कार्यकरण की भी कोई जांच की गई है; और

(ग) सातवीं पंचवर्षीय योजना के लिए सरकार ने चाय उत्पादन का क्या लक्ष्य निर्धारित किया है ?

वाणिज्य मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री प्रियरंजन दास मुंशी) : (क) पिछले तीन वर्षों के दौरान चाय के उत्पादन तथा इसके निर्यात के संबंध में स्थिति निम्न प्रकार हैं :-

वर्ष	उत्पादन (एम० कि० ग्रा०)	निर्यात (एम कि० ग्रा०)
1984	640	217
1985	657	222
1986	621	202

उत्पादन में तथा निर्यात योग्य बेशी में कमी की वजह से 1985 की तुलना में 1986 के दौरान निर्यात में गिरावट आयी।

(ख) चाय के उत्पादन तथा निर्यात के सम्बन्ध में चाय बोर्ड की भूमिका निम्न प्रकार रही है :-

(1) चाय के उत्पादन को बढ़ाने में मदद करना।

(2) चाय की क्वालिटी में सुधार लाने का प्रयास करना।

(3) उपजकर्ताओं तथा विनिर्माता केन्द्रों के बीच सहकारी प्रयासों का संवर्धन करना।

(4) वैज्ञानिक, प्रौद्योगिकी तथा आर्थिक अनुसंधान करना, सहायता करना या प्रोत्साहित करना तथा प्रदर्शनी फार्मों व विनिर्माता केन्द्रों का रख-रखाव करना या रख-रखाव में मदद करना।

(5) चाय को प्रभावित करने वाले कीटों तथा अन्य नाशी जीवों और बीमारियों के नियंत्रण में सहायता करना।

(6) चाय की बिक्री तथा निर्यात को विनियमित करना।

(7) चाय के टी टेस्टिंग तथा ग्रेड स्तर निर्धारित करने में प्रशिक्षण देना।

(8) विदेशों में चाय के उपयोग तथा भारतीय चाय के विपणन को बढ़ाने के प्रयास करना तथा और उस उद्देश्य के लिए प्रचार करना।

(9) भारत के बाहर चाय के विपणन में सुधार लाना।

(10) भारत में अन्य कहीं चाय के संवर्धन तथा विपणन हेतु किसी अन्य कार्पोरेट निकाय के साथ अंशपूंजी में अभिदान देना या कोई करार या अन्य प्रबन्ध करना (चाहे संयुक्त उद्यम में सहभागिता के जरिए या अन्य किसी तरीके से)।

(11) उपजकर्ताओं, विनिर्माताओं, वितरकों तथा अन्य ऐसे व्यक्तियों से जिन्हें चाय उद्योग से संबंधित किसी

मामले में निहित किया जाए, आंकड़े एकत्र करना।

(12) कामगारों के लिए बेहतर कार्य दशाएं प्राप्त करना और सुविधाओं तथा प्रोत्साहनों की व्यवस्था करना। चाय बोर्ड के कार्यों, कार्यकलापों तथा लागत प्रभावशीलता के बारे में एक समिति समीक्षा कर रही है।

(ग) सातवीं पंचवर्षीय योजना के लिए निर्धारित किए गए चाय के उत्पादन लक्ष्य निम्न प्रकार हैं :—

वर्ष	लक्ष्य (एम०कि०ग्रा०)
1985-86	651
1986-87	677
1987-88	702
1988-89	731
1989-90	760

सातवीं योजनावधि के दौरान पर्यटन स्थलों का विकास

1146. श्री जगदम्बी प्रसाद यादव : क्या पर्यटन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) सातवीं पंचवर्षीय योजना के दौरान कितने धार्मिक और ऐतिहासिक स्थानों, पर्वतीय स्थलों व पर्यटन स्थलों का विकास करने का लक्ष्य रखा गया था तथा अब तक कितना लक्ष्य प्राप्त कर लिया गया है ;

(ख) क्या अधिकांश धार्मिक स्थलों, विशेष रूप से देवघर, बैद्यनाथ धाम पुरी, द्वारका धाम, बद्रीनाथ धाम और रामेश्वरम के लिये अन्तर्देशीय पर्यटन को विकसित करने की कोई योजना है; और

(ग) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है ?

नागर विमानन मंत्रालय के राज्य मंत्री तथा पर्यटन मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री जगदीश टाईटलर) : (क) केन्द्रीय पर्यटन मंत्रालय ने सातवीं पंचवर्षीय योजना में धार्मिक और ऐतिहासिक स्थानों पर्वतीय स्थलों तथा पर्यटक परिसरों का विकास करने के लिये कोई लक्ष्य निर्धारित नहीं किया है क्योंकि पर्यटन आधार संरचना का विकास करना एक सतत प्रक्रिया है। यह मंत्रालय स्थान की संभाव्यता, केन्द्र की यात्रा करने वाले पर्यटकों की संख्या, धन की उपलब्धता तथा परस्पर प्राथमिकताओं को ध्यान में रखते हुये राज्यों से प्राप्त प्रस्तावों के आधार पर उन्हें वित्तीय सहायता देता है। सातवीं पंचवर्षीय योजना के दौरान देश में प्रथम चरण में 80-100 पर्यटक केन्द्रों का तेजी से विकास करने का प्रस्ताव है।

(ख) और (ग) अंतर्राज्यीय तथा स्वदेशी पर्यटन का विकास करने के लिये विभाग ने यात्रिकाओं, यात्री निवासों, पर्यटन बंगलों, आदि का निर्माण करने के लिये विशेष कार्यक्रम बनाये हैं। पुरी, द्वारका धाम तथा रामेश्वरम में यात्रिकाओं का निर्माण कार्य चल रहा है। इसके अलावा रामेश्वरम में आवास सहित एक पर्यटक स्वागत केंद्र का निर्माण कार्य चल रहा है।

Attacks on Tamilians in Jaffna Area by the Sri Lankan Armed Forces

1147. SHRI P. N SUKUL: Will the Minister of EXTERNAL AFFAIRS be pleased to state:

(a) what is Government's reaction to the con inued attacks by the Sri Lankan Armed Forces on the Tamilians In Jaffna and other areas, and

(b) what effective measures Government are taking or contemplating for the cessa tion of the current hostilities against tie Island's Tamilian population?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF EXTERNAL AFFAIRS (SHRI K. NATWAR SINGH): (a) Government is not aware attacks are presently